जॉर्ज कैटलिन ने कहा "पाश्चात्य जगत साम्यवादी देशों के मुकाबले में जहाँ तक विचारधाराओं के संघर्ष का संबंध है, हार रहा है।"

लुईस फिशरमन ने कहा "मार्क्स ने समाजवाद को एक षड्यन्त्र के रूप में पाया और उसे एक आंदोलन के रूप में छोड़ा। समाजवाद ने उससे एक दर्शन और दिशा ग्राह्य की।"

- मैक्स वियर ने कहा "इस विचार को अस्वीकार करना असम्भव है कि मार्क्स का सिद्धांत आर्थिक सत्य के स्थान पर राजनीतिक और सामाजिक नारे बाजी है।"
- सेबाइन "यह सिद्धांत कि राज्य केवल शोषण का एजेण्ट है, एक क्रान्तिकारी अल्पमत का प्रचार मात्र है। ऐसा सिद्धांत नहीं है जिस पर कोई शासन कर सकता है।"
- मार्क्स प्रजातंत्र, धर्म और राष्ट्रवाद का मजाक उड़ाता है और कहता है यह 'धनिकों की संस्थाएँ हैं।

- मार्क्स ने 'धर्म को जनता की' अफीम कहा है।
- मार्क्स ने कहा "मजदूरों का कोई देश नहीं होता।"
- मार्क्स ने नारा दिया "विश्व के मजदूरों एक हो जाओ।"

- डगलस जे (Duglas Jay) ने अपनी पुस्तक Socialism in the new society (1970) में मार्क्स कुछ कमियों की चर्चा की है।
- डॉ. आशीर्वादम ने कहा है "मार्क्सवाद के अपने सिद्धांत है, अपना पुरोहित वर्ग, अपने कर्मकाण्ड तथा अपने पाप मोचक अनुष्ठान है।"
- मार्क्स ने कहा "बल एक नवीन समाज को जन्म देने वाले प्रत्येक पुराने समाज की दाई है।"

- संक्रमणकालीन अवस्था को ही सर्वहारा अधिनायकवाद कहा जाता है।
- मार्क्स ने कहा "अब तक दार्शनिकों ने विश्व की व्याख्या करने का प्रयत्न किया है लेकिन महत्वपूर्ण कार्य इसे परिवर्तित करना है।"
- कैरयू हण्ट ने कहा "इसाई धर्म के अभ्युदय के [illegible] मार्क्सवाद सबसे महान आंदोलन था।"